यह दस्तावेज़ सार्वजनिक वितरण के लिए नहीं है

यह जन घोषणा स्वास्थ्य के लिए एक व्यक्ति-केंद्रित और समग्र दृष्टिकोण प्राप्त करने के उद्देश्य से पारंपरिक, पूरक और जैव चिकित्सा पद्धतियों के बीच सम्मानजनक सहयोग का आह्वान करती है।

हम जो स्वास्थ्य देखभाल चाहते हैं, वह समूचे व्यक्ति पर केंद्रित है, सहभागी है, व्यक्तिगत विकल्पों के साथ-साथ सांस्कृतिक विविधता का सम्मान करता है और सर्वोत्तम उपलब्ध शोध जानकारी के साथ नैदानिक अनुभव और रोगी मूल्यों को एकीकृत करता है।

पारंपरिक, पूरक और एकीकृत स्वास्थ्य सेवा तक सम्पूर्ण पहुंच एवम् इसे स्वास्थ्य के अधिकार का हिस्सा होना चाहिए।

पारंपरिक, पूरक और एकीकृत स्वास्थ्य सेवा के लिए जन घोषणा

परिभाषा

पारंपरिक, पूरक और एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल (टीसीआईएच) स्वास्थ्य के लिए एक व्यक्ति-केंद्रित और समग्र दृष्टिकोण की पेशकश के उद्देश्य से स्वास्थ्य देखभाल की विभिन्न प्रणालियों और उनके स्वास्थ्य पेशेवरों के बीच सम्मानजनक सहयोग को संदर्भित करता है।

हमारा परिचय

हम, टीसीआईएच के उपयोगकर्ताओं और स्वास्थ्य पेशेवरों के एक विश्वव्यापी समुदाय, जो एक बड़ी विविधता की पृष्ठभूमि और अनुभवों के साथ टीसीआईएच की उन्नति और प्रचार के लिए एक समान प्रतिबद्धता के साथ प्रतिनिधित्व करते हैं।

स्वास्थ्य देखभाल के लिए हमारी कल्पना

- शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और आध्यात्मिक आयामों सहित संपूर्ण व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित करना।
- रोगी केंद्रित और स्व रोग हरन एवम स्वास्थ्य निर्माण का समर्थन करना

- सहभागी है और व्यक्तिगत विकल्पों का सम्मान करना
- सर्वोत्तम उपलब्ध साक्ष्य-आधारित शोध जानकारी के साथ नैदानिक अनुभव और रोगी मूल्यों को एकीकृत करता है
- सांस्कृतिक विविधता और क्षेत्रीय मतभेदों का सम्मान करता है
- सामुदायिक और ग्रह स्वास्थ्य का एक अभिन्न अंग है
- हमारे ग्रह के स्वास्थ्य का सम्मान करते हुए प्राकृतिक और टिकाऊ संसाधनों का उपयोग करना
- पारंपरिक, पूरक और जैव चिकित्सा पद्धतियों को एक सहायक और सहभागी तरीके से एकीकृत करना।

हम पारंपरिक / बायोमेडिसिन के लाभों की सराहना करते हैं। साथ ही हम इसकी सीमाओं को भी पहचानते हैं, जिनमें शामिल हैं:

- विशेष रूप से पुरानी / गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के लिए बायोमेडिसिन चिकित्सीय विकल्प जो प्रदान करता है, अपर्याप्त है
- बायोमेडिकल उपचारों से बार-बार होने वाले दुष्प्रभाव और बढ़ते रोगाणुरोधी प्रतिरोध।
- बढ़ी हुई विशेषज्ञता और रोग-आधारित मॉडल से देखभाल की सीमाओं का विखंडन।

हम उन देशों से प्रेरित हैं जो टीसीआईएच को अपने स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में सफलतापूर्वक एकीकृत कर रहे हैं, हालाँकि, हमारी कुछ चिंताएं भी हैं:

- कुछ देशों द्वारा टीसीआईएच के अभ्यास को रोकने, सीमित करना या कम आंकना
- टीसीआईएच की बिना अवगत कराई या असंतुलित मीडिया रिपोर्टिंग
- टीसीआईएच अनुसंधान के लिए अपर्याप्त सार्वजनिक धन
- कुछ देशों में टीसीआईएच की कम उपलब्धता और अनियंत्रित प्रथाओं का जोखिम

हमारा आग्रह:

सभी देश

- सभी के लिए स्वास्थ्य के अधिकार के हिस्से के रूप में टीसीआईएच तक पूर्ण पहुंच सुनिश्चित करें

- टीसीआईएच को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों में शामिल करें
- उच्च गुणवत्ता देखभाल सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण मानकों के अनुसार टीसीआईएच स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को मान्यता प्रदान करें
- विशिष्ट नियामक मार्गों के माध्यम से टीसीआईएच दवाओं की पहुंच और सुरक्षा सुनिश्चित करें
- टीसीआईएच पर अनुसंधान के लिए निधि उपलब्धता कराना और जनता के लिए टीसीआईएच पर विश्वसनीय जानकारी प्रसारित करें

सभी स्वास्थ्य देखभाल पेशेवर

समग्र स्वास्थ्य देखभाल के लिए एक व्यक्ति-केंद्रित दृष्टिकोण प्राप्त करने की दिशा में सभी स्वास्थ्य देखभाल व्यवसाइयों के बीच सम्मानजनक सहयोग को बढ़ावा दें।

सभी मीडिया और प्रकाशन

टीसीआईएच पर सटीक और निष्पक्ष रिपोर्टिंग सुनिश्चित करना